भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3380
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 16 दिसंबर, 2024
25 अग्रहायण,1946 (शक)

ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण

3380. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ऐतिहासिक स्थलों की वर्तमान स्थिति क्या है और देश में इन स्थलों का रखरखाव किस प्रकार किया जा रहा है;
(ख) क्या सरकार को उस्मानाबाद संसदीय क्षेत्र में बौद्ध, जैन और हिंदू गुफाओं जैसे ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा के संबंध में कोई प्रस्ताव मिला है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;
(घ) लातूर जिले की औसा तहसील में स्थित खरोसा गुफाओं सहित उक्त ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं;
(ङ) विशेष कर त्रिविक्रम मंदिर, खुदाई में मिले बुद्ध विहार के अवशेष और महाराष्ट्र के प्राचीन वाणिज्यिक केंद्र टेर (टैगर) शहर में स्थित रामलिंग अप्पा लामतुरे संग्रहालय के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा कितनी निधि आवंटित की गई है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) पर्यटन स्थलों की सूची में उस्मानाबाद जिले के ऐतिहासिक स्थलों की स्थिति क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण 3698 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/ स्थलों की देखभाल और रख-रखाव करता है। केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/ स्थलों का संरक्षण और रख-रखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा स्मारक/स्थल की आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है और वे भली-भांति परिरक्षित हैं।

(ख) और (ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(घ): महाराष्ट्र राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन 286 केंद्रीय संरक्षित स्मारक/स्थल हैं। तथापि, लातूर जिले के औसा तहसील में स्थित खरोसा गुफाओं सहित उक्त गुफाएं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षणाधीन नहीं हैं।

(ङ): त्रिविक्रम मंदिर, खुदाई में मिले बुद्ध विहार के अवशेष और टेर (टैगर) शहर में स्थित रामलिंग अप्पा लामतुरे संग्रहालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के केंद्रीय संरक्षित स्मारक नहीं हैं। तथापि,

पिछले तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र राज्य में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के केंद्रीय संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, परिरक्षण और विकास के लिए आवंटित निधियां नीचे दी गई हैं;

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	वित्त वर्ष	आवंटन
1	2021-22	24.50
2	2022-23	39.05
3	2023-24	52.54

(च): उस्मानाबाद जिले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकार क्षेत्र में कोई स्मारक/स्थल नहीं है।

*****